मध्यप्रदेश शांति का टापू था और रहेगा, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के 18 साल के कुशासन में मध्यप्रदेश की शांति भंग हो गई है।

—— कमलनाथ, पूर्व सीएम, मप्र

छात्रों को चुनौतियों के लिए तैयार करेगी नई शिक्षा नीति

■ सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में संवाद सत्र 'विमर्श-2023' का आयोजन

संवाद सत्र में विचार रखते कुलपति प्रो. ओंकार सिंह।

देहरादून (एसएनबी)। सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के श्रीराम सभागार में वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय का एक मुक्त संवाद सत्र 'विमर्श-2023' का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) ओंकार सिंह ने की। समारोह की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

इस मौके पर प्रो.ओंकार सिंह ने छात्र के जीवन में कड़ी मेहनत और समर्पण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सकारात्मक बदलाव का स्रोत होगी और छात्रों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करेगी। उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि यदि समाज को आगे बढ़ना है तो अपनी मानसिकता में ऐसे परिवर्तन लेना होगा जो शिक्षा का एकमात्र उद्देय नौकरी प्राप्त करना न समझे। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो एक व्यक्ति को एक अच्छे नागरिक में बदल दे। स्टार्ट-अप के विकास और इस संबंध में विश्वविद्यालय की भूमिका के प्रश्न के उत्तर में प्रो.ओंकार सिंह ने कहा कि स्टार्ट-अप और उद्यमिता के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। कालेजों के छात्रों ने करियर प्लानिंग, पढ़ाई और परीक्षा के दौरान उत्पन्न होने वाले तनाव आदि मुद्दों पर कुलपति का मार्गदर्शन लिया। सत्र का समापन निदेशक (प्रशासन) डीके त्यागी ने सबका आभार प्रकट किया। सिद्धार्थ समूह की ओर से प्रो.सिंह को स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

इस अवसर पर डा.संजय सिंह, प्राचार्य, सिद्धार्थ फार्मेसी संस्थान, डा.अनीता कौल, समन्वयक, आईसीएम, डा.प्रवीण चौधरी प्राचार्य, जीआईएस आदि मौजूद थे।